population and Health

Dr. Meena Devi
Dpt of - PSY
B.A part - I (H) paper II

Date 8.5.20

1

Ques - स्त्रियों एवं बच्चों के स्वास्थ्य सम्बन्धी चुनौतियाँ कौन-2 सी हैं? स्पष्ट करें।

Ans → भारत विशाल देश में जो सुविधाएँ होनी चाहिए वहाँ जनसंख्या विस्फोट के कारण सम्भव नहीं है। यहाँ इतनी अधिक जनसंख्या है जो व्यक्ति को सही इलाज सम्भव नहीं हो पाता है खासकर स्त्रियों और बच्चों के लिए और कम है। स्त्रियाँ और बच्चे स्वास्थ्य के प्रति अपेक्षा बहुत कम जागरूक होते हैं। उन्हें स्वास्थ्य के प्रति ज्यादा उत्सुक होना चाहिए जो आज की महिला में कमी है। इसप्रकार हम कह सकते हैं कि इस दिशा में स्वास्थ्य सम्बन्धी अभियान चलाकर विभिन्न प्रकार के रोगों की जानकारी दी जाए ताकि उसे बिमारी की जानकारी मिले एवं सही उपचार करने में सक्षम हो।

स्वास्थ्य सम्बन्धी चुनौतियाँ →

स्वास्थ्य सम्बन्धी अभियान में स्त्रियों को रोगों से किसप्रकार बचाव किया जाना चाहिए इसके लिए निम्न लिखित चुनौतियाँ इस प्रकार हैं -

(1) पोषण की समस्या - (problem of nutrition)

हमारे समाज में स्त्रियों और बच्चों को पोषण सम्बन्धी ज्ञान नहीं के बराबर रहता है। व्यक्ति यही नहीं समझ पाता है कि कितना पौष्टिक तत्व व्यक्ति को लेना चाहिए जिससे उसका स्वास्थ्य अच्छा रह सके। सम्भवतः लोग यह सोचते हैं कि ज्यादा भोजन खाने से व्यक्ति का अच्छा स्वास्थ्य रहेगा लेकिन आवश्यकता से अधिक भोजन करने के बाद लोग बेडौल हो जाता है। गर्भवती स्त्रियाँ गर्भकालीन अवस्था में उपर्युक्त आहार नहीं लेती हैं तो वह स्वयं और उनके उत्पन्न होने वाले बच्चे रोगग्रस्त हो सकते हैं।

Ajanta

Scanned with CamScanner

भारतवर्ष के समाज की पढ़ी-लिखी स्त्रियों में एक नया फैशन यह चला है कि वह अपने नवजात शिशु को एक दो-महीने तो स्तनपान कराती हैं लेकिन इसके बाद वह अपना स्तनपान यह सोच कर नहीं कराती है कि उनके स्तन बेडौल हो जाएंगे जबकि वास्तविकता यह है कि जो स्त्रियाँ लगभग एक वर्ष तक अपने बच्चों को पूरा-2 स्तनपान कराती है तो इस स्थिति में बच्चों का सही ढंग से पोषण होता है।

भारतीय समाज के लड़कियों का नया फैशन यह भी है कि शहरी संस्कृति के लोग फास्टफूड अधिक खा रहे हैं, पीजा, बर्गर, कोल्डड्रिंक आदि लम्बे समय तक लेने से लोग बीमारियों से ग्रस्त हो जाते हैं। आज कल स्त्रीयों और बच्चों में कोल्डड्रिंक पीने का फैशन बहुत जोर-शोर से हो गया है यह स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक है।

2 प्रोटीन न्यूनता सम्बन्धी चुनौती — प्रोटीन कुपोषण जिन बच्चों और स्त्रियों में पाया जाता है उनमें उत्साह की भी कमी पायी जाती है प्रोटीन कुपोषण शारीरिक विकास को भी अवरुद्ध करता है। प्रोटीन न्यूनता असंतुलित आहार के कारण होता है।

3 कुपोषण की समस्या (problem of Malnutrition) भारत वर्ष में बड़ी जनसंख्या के कारण ही कुपोषण की समस्या होती है सरकार द्वारा कितने योजना चलाने के बाद भी रोजी-रोटी की समस्या होती है इसी कारण गाँव-एवं शहर में कुपोषण की समस्या देखने को मिलती है।

4 रक्तक्षीणता की समस्या — हमारे समाज में स्त्रियाँ और बच्चे जो गरीब तबके लोग हैं उनमें रक्तक्षीणता के लक्षण पाये जाते हैं। 5 से 6 साल तक के बच्चों में रक्तक्षीणता अधिक देखी जाती है ज्यादा बच्चों रहने के कारण ही रक्तक्षीणता की मात्रा हो जाती है।

Scanned with CamScanner